

Padma Shri



PROF. (DR.) MOTILAL MADAN

Prof. (Dr.) Moti Lal Madan is a globally renowned animal scientist, biotechnologist and a science manager with exceptional scientific achievements. He is being credited with several firsts in animal science research in India and holding world records. He has contributed immensely in science infrastructure development across different States in India and in the developing world.

2. Born on 1st January, 1939 in Srinagar, Jammu & Kashmir, Dr. Madan had his early education in Srinagar and obtained his professional BSc and MSc degrees from Punjab University (Gold Medalist at Graduate and Masters level), and pursued his doctoral program at University of Missouri, Columbia, USA.

3. Dr. Madan laid the foundations of the research in animal reproductive biotechnology in India and pioneered in Embryo Transfer Technology (ETT) with the distinction of having produced a record 10 calves from a single elite mother within a year's time. Through technology innovation he produced World's First ever in-vitro fertilized, IVF (Test Tube) buffalo calf 'Pratham', and thus opened a technology window for our national breed improvement. He also innovated in the production of FIRST cloned buffalo embryo in the world and thus laid the foundations of buffalo cloning technology in the country. The technologies of ETT and IVF have been adopted for field use by different agencies including Govt. of India (DFAHD) under the Rashtriya Gokul Mission and also been utilized in the Developing world where he provided professional consultation through UNDP of FAO.

4. Dr. Madan has contributed significantly to education and science management. He was Vice-Chancellor of two universities in different agro-ecologies of the country, Veterinary University Mathura (UP) and Agriculture University Akola in Maharashtra. He has played a leading role as an environmentalist and developed a unique biodiversity park at Nagpur. For his dedicated leadership, distinguished work and ability to lead in scientific innovation and capacity to deliver technologies, coupled with the highly performing scientific group he built at NDRI, he is cited as the Father of animal reproductive biotechnologies in the country.

5. Dr. Madan is a Fellow of five National Science Academies and has received the highest and most prestigious scientific National and International recognitions that include Rafi Ahmed Kidwai Award, Hari Om Award of ICAR; B.P.Pal Award of National Academy of Agriculture Sciences; Sunderasan Award and Bhasin Award for science and technology. He has also been conferred Vigyan Ratna Award by Haryana Government. His international recognitions include Japanese OGURI award and International Science Pioneer Award from Egypt.

पद्म श्री



प्रो. (डॉ.) मोती लाल मदन

प्रो. (डॉ.) मोती लाल मदन पूरे विश्व में प्रसिद्ध पशु वैज्ञानिक, बायोटेक्नोलॉजिस्ट और विज्ञान प्रबंधक हैं। उन्हें भारत में पशु विज्ञान अनुसंधान में कई नवाचारों का श्रेय प्राप्त है और उनके नाम कई विश्व रिकॉर्ड हैं। उन्होंने भारत के विभिन्न राज्यों और विकासशील दुनिया में वैज्ञानिक अवसंरचना विकास में महती योगदान दिया है।

2. 1 जनवरी, 1939 को श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में जन्मे, डॉ. मदन की प्रारम्भिक शिक्षा श्रीनगर में हुई तथा उन्होंने अपनी बीएससी और एमएससी उपाधि पंजाब विश्वविद्यालय से प्राप्त की (स्नातक और स्नात्कोत्तर स्तर पर स्वर्ण पदक), तथा मिसौरी विश्वविद्यालय, कोलंबिया, यूएसए से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

3. डॉ. मदन ने भारत में पशु प्रजनन जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान की आधारशिला रखी और भ्रूण स्थानांतरण तकनीक (ईटीटी) की शुरुआत की, जिसमें उन्हें एक वर्ष में एक विशेष माता से 10 बछड़ों के जन्म के रिकॉर्ड की विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त की है। प्रौद्योगिकीय नवाचार से उन्होंने दुनिया का पहला इन-विट्रो फर्टिलाइज्ड, आईवीएफ (टेस्ट ट्यूब) भैंस के बछड़े 'प्रथम' का जन्म कराया, और इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय पशु प्रजनन में सुधार का एक प्रौद्योगिकीय रास्ता खोला। उन्होंने विश्व में पहली बार क्लोन किए हुए भैंस के भ्रूण के जन्म में भी नव प्रयोग किए और इस प्रकार देश में भैंस क्लॉनिंग प्रौद्योगिकी की आधारशिला रखी। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत भारत सरकार (डीएफएएचडी) सहित विभिन्न एजेंसियां ईटीटी और आईवीएफ प्रौद्योगिकियों को अपना रही हैं और इसका उपयोग विकासशील विश्व में भी किया जा रहा है, जहां उन्होंने एफएओ के यूएनडीपी के माध्यम से व्यावसायिक परामर्श प्रदान किया है।

4. डॉ. मदन ने शिक्षा और विज्ञान प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह अलग-अलग कृषि विषयों से संबंधित देश के दो विश्वविद्यालयों, पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, मथुरा (उत्तर प्रदेश) और कृषि विश्वविद्यालय अकोला, महाराष्ट्र के कुलपति रहे। उन्होंने पर्यावरणविद के रूप में भी अग्रणी भूमिका निभाई है और नागपुर में एक विशिष्ट बायोडायवर्सिटी पार्क का निर्माण किया है। एनडीआरआई में उनके द्वारा तैयार उच्च दक्षता प्राप्त वैज्ञानिक समूह के साथ-साथ उनके निष्ठापूर्ण नेतृत्व, उत्कृष्ट कार्य और वैज्ञानिक नवाचार में अग्रणी भूमिका निभाने की क्षमता तथा प्रौद्योगिकियां तैयार करने के कौशल के कारण उन्हें देश में पशु प्रजनन तकनीक का जनक कहा जाता है।

5. डॉ. मदन पांच राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के फेलो हैं और उन्हें सर्वोच्च एवं सर्वाधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें रफी अहमद किदवई पुरस्कार; आईसीएआर का हरि ओम पुरस्कार; राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी का बी.पी. पाल पुरस्कार; सुदर्शन पुरस्कार तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए भसीन पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें हरियाणा सरकार द्वारा विज्ञान रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। उन्हें प्राप्त अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों में जापान का ओजीयूआरआई पुरस्कार तथा मिस्र का अंतरराष्ट्रीय साइंस पायोनियर पुरस्कार शामिल है।